जुड़िए हमसे... पर @risingindore.news 0731-4032200

Inside page 03

राइजिंग इन्दौर

सच का सारथी

इंदौर, बुधवार, 16 अक्टूबर 2024

वर्ष -11, अंक-41

मूल्य 2 रूपए, पेज- 8

7 लाख नागरिकों को मिला दीपावली गिफ्ट

इंदौर के इतिहास में पहली बार हुआ एक साथ 4 फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मध्यप्रदेश के सबसे बड़े शहर इंदौर के 7 लाख नागरिकों को दीपावली के त्यौहार के पहले ही दीपावली का गिफ्ट मिल गया। पिछले दिनों प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा इंदौर के इतिहास में पहली बार एक साथ चार फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। इन ब्रिज के लोकार्पण के साथ ही इन चौराहों से गुजरने वाले 7 लाख वाहन चालकों के लिए अब उनका सफर आसान हो गया। यह ब्रिज इन चौराहा के क्षेत्र में यातायात को व्यवस्थित करने में अहम भूमिका का निर्वहन करेंगे।

इंदौर शहर का इतिहास में 14 अक्टूबर सोमवार का दिन स्वर्णिम अक्षरों के साथ अंकित हो गया। इस दिन इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा बनाए गए चार फ्लाईओवर ब्रिज का प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के द्वारा लोकार्पण किया गया। इसके लिए मुख्य कार्यक्रम का आयोजन फूटी कोठी चौराहा के फ्लाईओवर ब्रिज पर किया गया। इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए बड़ी संख्या में इस क्षेत्र में रहने वाले नागरिक और बंजारा समाज के लोग पहुंचे थे। शाम के 6:00 बजे आयोजित किया गया यह कार्यक्रम 1 घंटे से अधिक विलंब के साथ शुरू हुआ। जिस समय कार्यक्रम शुरू होने की तैयारी हो रही थी उस समय पर इंद्र देवता भी मेहरबान हो गए और हल्की बारिश शुरू हो गई। इस बारिश के बावजूद शहर के विकास के इस बड़े आयोजन का साक्षी बनने के लिए कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे लोग परेशान नहीं हुए। प्राधिकरण के द्वारा वाटरप्रूफ पंडाल बनाया गया था। पिछले कुछ दिनों से बे मौसम बारिश के रूप में हर दिन शाम को बारिश हो रही थी। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकरण के द्वारा वाटरप्रूफपंडाल बनाकर लोगों को बारिश से सुरक्षा का कवच उपलब्ध कराया गया।

शेष पेज 2-3 पर

राइजिंग इन्दौर अब MAGZTER .com पर डिजिटल रूप में भी उपलब्ध...

पेज 1 से जारी...

भंवरकुआं

फूटी कोठी

खजराना

लवकुश चौराहा

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इस कार्यक्रम में पहुंचने में मुख्यमंत्री को जितना विलंब हुआ उस समय तक गन्नू महाराज के द्वारा भजन और गीत की प्रस्तुति देते हुए समां बांधे रखा गया। मेरे घर राम आएंगे सहित इस समय के सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले भजनों की प्रस्तुति उनके द्वारा दी गई। यह प्रस्तुति कितनी जोरदार थी इसका अंदाजा तो इसी बात से लगाया जा सकता है कि श्रोताओं में बैठी महिलाएं बड़ी संख्या में अपने स्थान से खड़े होकर भजन की धुन पर नाचने लगी। इस तरह से बने हुए भक्ति के माहौल के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय एवं जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए पहुंचे। उनके साथ में महापौर पुष्यमित्र भार्गव और भाजपा के शहर अध्यक्ष गौरव रणदिवे के अलावा अन्य जनप्रतिनिधि और भाजपा के नेता भी थे।

इस कार्यक्रम के स्थल पर पहुंचते ही मुख्यमंत्री के द्वारा सबसे पहले पूजा कर इस ब्रिज के शुभारंभ के कार्य को किया गया। फिर उनके द्वारा शिलालेख का अनावरण किया गया। इसके बाद में मंचिय कार्यक्रम शुरू हुआ। इस कार्यक्रम में इस फ्लाईओवर ब्रिज का नाम बंजारा समाज के प्रमुख देवता माने जाने वाले संत सेवालाल जी के नाम पर किए जाने का ऐलान किया गया। इस कार्यक्रम के पश्चात मुख्यमंत्री और सभी नेता शेष तीन स्थानों पर फ्लाईओवर ब्रिज का उद्घाटन करने के लिए रवाना हुए।

इस कड़ी में सबसे पहले भंवरकुआं चौराहे के फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। इसके बाद में खजराना चौराहा पर बनाए गए फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण किया गया। फिर सबसे अंत में लवकुश चौराहे के फ्लाईओवर ब्रिज का लोकार्पण हुआ। इन चार फ्लाईओवर ब्रिज में से फूटी कोठी चौराहा और भंवरकुआं चौराहा के फ्लाईओवर ब्रिज पूरे बनकर तैयार हो गए हैं। लोकार्पण के बाद से इन पर यातायात भी शुरू हो गया। खजराना चौराहा और लवकुश चौराहा पर फ्लाईओवर ब्रिज की एक-एक भुजा बनकर तैयार हुई है। इस भुज का लोकार्पण कर इस पर यातायात शुरू कर दिया गया है। इन चार फ्लाई ओवर ब्रिज वाले चौराहे से हर दिन करीब 7 लाख वाहन गुजरते हैं। इन फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण और लोकार्पण कर दिए जाने से इन 7 लाख वाहन चालकों के लिए अब सफर की चुनौती कम हो गई। इन चौराहों को अब हर दिन लगने वाले जाम से मुक्ति मिलेगी। वाहन चालक कम समय में अपने गंतव्य तक आने-जाने का काम कर सकेंगे। दीपावली के त्यौहार के पहले ही शहर के नागरिकों और इन वाहन चालकों को राज्य सरकार और इंदौर विकास प्राधिकरण की ओर से यह दीपावली का गिफ्ट मिल गया है।

शेष पेज 3 पर

शहर में निर्माणाधीन फ्लाईओवर ब्रिज

एमपीआरडीसी
चार फ्लाईओवर ब्रिज

क्रिस्टल आई टी पार्क फ्लाईओवर ब्रिज

6 लेन ब्रिज, लागत 63.33 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था अक्टूबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - सितम्बर 25

मूसाखेड़ी चौराहा फ्लाईओवर ब्रिज

6 लेन ब्रिज, लागत 67 .02 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था अक्टूबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - सितंबर 2025

निरंजनपुर - देवास नाका चौराहा ब्रिज

6 लेन ब्रिज, लागत 74.49 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था अक्टूबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कायज़ पूर्णता माह - सितंबर 2025

सत्यसांई चौराहा फ्लाईओवर ब्रिज

6 लेन ब्रिज, लागत 62.33 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था अक्टूबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - सितंबर 2025

पीडब्ल्यूडी - 5 रेलवे ओव्हर ब्रिज

बाणगंगा रेलवे ओवर ब्रिज

2 लेन ब्रिज, लागत 35.59 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था अगस्त 2023
समय सीमा रखी गई है -24 माह
कार्य पूर्णता माह - अगस्त 2025

हरनियाखेड़ी - महू रेलवे ओवर ब्रिज

2 लेन ब्रिज, लागत 18.76 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था नवंबर 2022
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - अक्टूबर 2024

लसूड़िया मोरी रेलवे ओवर ब्रिज

2 लेन ब्रिज, लागत 31.53 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था -संभावित फरवरी 2024
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - फरवरी 26

मांगलिया रेलवे ओवर ब्रिज

2 लेन ब्रिज - 34.72 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था - दिसंबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - नवंबर 2025

पोलोग्राउंड रेलवे ओवर ब्रिज

2 लेन ब्रिज, लागत 35.93 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था सितंबर 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - अगस्त 25

रेतीमंडी रेलवे ओवर ब्रिज

4 लेन ब्रिज 38.33 करोड़ रुपए
कार्य प्रारंभ हुआ था मई 2023
समय सीमा रखी गई है - 24 माह
कार्य पूर्णता माह - मई 2025

इंदौर में बनेंगे 20-25 फ्लाईओवर ब्रिज

इसके लिए तैयार होगी कार्य योजना फिर करवाएंगे काम मुख्यमंत्री

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इंदौर शहर के यातायात को बेहतर बनाने के लिए कम से कम 20 से 25 फ्लाईओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। इसके लिए कार्य योजना बनाई जाएगी। इस कार्य योजना के अनुसार यह सारे फ्लाईओवर ब्रिज बनाने का काम किया जाएगा।

इंदौर के विकास के क्षेत्र में उस वक्त स्वर्णिम इतिहास लिखा गया जब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने एक ही दिन में एक साथ लगभग 222 करोड़ रुपये लागत के चार फ्लाईओवर्स का लोकार्पण किया। यह पहली बार हो रहा है जब इंदौर में एक ही दिन में एक साथ चार फ्लाईओवर का लोकार्पण हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फूटी कोठी सहित भंवरकुआं, खजराना और लवकुश चौराहे के फ्लाईओवर का लोकार्पण किया।

फूटी कोठी में आयोजित फ्लाईओवर के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में विकास को नई गति देकर विकास का नया अध्याय लिखा जाएगा। विकास के सभी अवरोधों को हटाकर प्रदेश के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इंदौर का चहुंमुखी विकास और यातायात सुधार हमारी प्राथमिकता है। हमारा प्रयास है कि इंदौर के किसी भी चौराहे पर यातायात बाधित नहीं हो और वाहन चालकों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना नहीं करना पड़े।

उन्होंने इंदौर की यातायात संबंधी परेशानियों के निराकरण के लिए कहा कि यहां जितने भी अंडरपास व ओवर ब्रिज की आवश्यकता होगी, वह सभी बनाए जाएंगे। उन्होंने इंदौर में 400 करोड रुपए की लागत से सीवरेज लाइन का कार्य करने के बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशे का अवैध कारोबार करने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। नशे के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए उन्होंने प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारियों को भी आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मनुष्यों की सोच जहां समाप्त होती है, वहीं से संतों की सोच शुरू होती है। मनुष्यों एवं देवताओं के बीच संत सेतु के रूप में होते हैं। समाज के किसी भी संत के योगदान को प्रदेश में भुलाया नहीं जाएगा।

उन्होंने प्रदेश में गायों के संरक्षण, दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा गौशालाओं के संचालन के संबंध में राज्य शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि फूटी कोठी चौराहे का नाम संत सेवालाल चौराहा होगा। इस संबंध में कार्रवाई के लिये अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि इंदौर के चौराहों की आवश्यकता के अनुसार अंडरपास और ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। आगामी 3 वर्षों में एक कार्ययोजना बनाकर लगभग 20 से 25 अंडरपास व ओवर ब्रिज बनाए जाएंगे। इंदौर शहर में यातायात सुधार के लिए लगातार प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने मादक पदार्थों के अवैध कारोबार करने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने की बात भी कही। उन्होंने कहा कि नशा मुक्त समाज बनाना हमारा संकल्प है।

मध्यप्रदेश में जेल को बनाएंगे सुधार गृह

जेल अधिकारियों का पद नाम होगा सुधार सेवा अधिकारी

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

मध्यप्रदेश में सरकार के द्वारा अब जेल को सुधार गृह के रूप में तब्दील किया जाएगा। इसके साथ ही जेल में काम करने वाले अधिकारियों का पद नाम सुधार सेवा अधिकारी कर दिया जाएगा। सरकार के द्वारा जेल अधिनियम में 130 साल बाद बदलाव किया जा रहा है। इस बदलाव के लिए कारगर अधिनियम 1894 बंदी अधिनियम 1900 और बंदी स्थानांतरण अधिनियम 1950 को एक कर दिया गया है। सरकार के द्वारा मध्यप्रदेश सुद्धात्मक सेवाएं एवं बंदी ग्रह अधिनियम 2024 लागू किया जा रहा है। इसके लिए मध्यप्रदेश विधानसभा में जुलाई 2024 में इस विधेयक को मंजूरी दी जा चुकी है। अब इस विधेयक के लागू होने से प्रदेश की जेल केवल सजा काटने की जगह नहीं रह जाएगी बल्कि वहां से कैदियों को पुनर्वास देने का काम किया जाएगा। इन जेल को सुधार गृह के रूप में तब्दील किया जाएगा। इस अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है की जेल विभाग के अधिकारी का पद अब सुधार सेवा अधिकारी के रूप में माना जाएगा।

यह है नए प्रावधान

- » कैदियों की कोर्ट में पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कराई जाएगी
- » जेल में मोबाइल डिटेक्टर लगाया जाएगा और वायरलेस से कम्युनिकेशन किया जाएगा
- » जेल में ही मुलाकात और टेली मेडिसिन की व्यवस्था की जाएगी
- » जेल में मोबाइल का प्रयोग करने पर बंदी अथवा उसके सहयोगी को 3 साल की सजा और 5 लाख रुपए का जुर्माना लगाया जाएगा
- » ट्रांसजेंडर कैदियों के लिए जेल में स्पेशल सेल बनाया जाएगा
- » खुली जेल में कैदी अपने परिवार के साथ रह सकेंगे
- » अच्छे चाल चलन पर बंधिया को 1 साल में 15 दिन का करलो दिया जाएगा
- » अंडर ट्रायल बंधिया के मामलों की समीक्षा के लिए रिव्यू कमेटी बनाई जाएगी
- » कैदियों के कल्याण और सुधार के लिए प्रिजनर्स वेलफेयर फंड बनाया जाएगा
- » जेल अधिकारियों कर्मचारियों के लिए मिड टर्म ट्रेनिंग अनिवार्य होगी

'ओ स्त्री कल आना, यू आर डेड'... ऐतिहासिक धरोहर को शरारती तत्वों ने 'भूतिया बिल्डिंग' में किया तब्दील

इंदौर। मध्यप्रदेश के इंदौर का किंग एडवर्ड मेडिकल कॉलेज, जो लंबे समय से जर्जर हालत में है। यहां कुछ युवाओं ने हाल ही में इसे भूतिया बिल्डिंग में बदल दिया। इस धरोहर की दीवारों पर लाल और काले स्प्रे से ओ स्त्री कल आना, यू आर डेड, यू मेड ए मिस्टेक, और इट्स योर टर्न जैसे डरावने कोट लिखे गए। इसके अलावा, खूनी पंजों के निशान भी जगह-जगह बनाए गए, जिससे यह ऐतिहासिक स्थल और भयावह दिखने लगा है। सूत्रों के अनुसार, यह पूरी घटना उस रात की है जब कुछ युवाओं ने इस धरोहर में पार्टी की। एमजीएम मेडिकल कॉलेज, जो इस धरोहर की देखरेख करता है, इस घटना के बाद हरकत में आ गया है। कॉलेज प्रशासन के बीच खलबली मच गई है, और वे अब इस मामले की जांच कर रहे हैं कि आखिर किसने इस ऐतिहासिक इमारत को इस रूप में बदल दिया। यह धरोहर कई सालों से उपेक्षित पड़ी थी, लेकिन इस घटना ने स्थानीय लोगों और प्रशासन का ध्यान फिर से इसकी ओर खींच लिया है।

संपादकीय...

यातायात को सुधारने के लिए ठोस काम की जरूरत

इंदौर शहर की यातायात की व्यवस्था बहुत खराब है। इस व्यवस्था को सुधारा जाना चाहिए। इसके लिए जनता की सहभागिता से प्रयास किए जाएंगे। शहर के चौराहे पर यातायात मित्र खड़े होकर यातायात संभालने में सहयोग करेंगे। इस तरह की बातें पिछले कुछ सालों के दौरान इंदौर की जनता ने नेताओं और अधिकारियों के मुख से कई बार सुनी है। इन बातों से ना तो इंदौर का यात्रा सुधार है और ना ही उसमें कुछ अच्छे सुधार आ पाए हैं। इस यातायात को सुधारने के लिए ठोस काम किए जाने की आवश्यकता है। हाल ही में इंदौर विकास

■ गौरव गुप्ता

प्राधिकरण के द्वारा जिस तरह से चार यातायात के दबाव वाले प्रमुख चौराहे पर फ्लाईओवर ब्रिज का निर्माण किया गया है उससे निश्चित तौर पर इन चौराहे की यातायात की स्थिति में बदलाव और सुधार आएगा। इस सुधार की शहर के सभी बड़े और प्रमुख चौराहों को जरूरत है। अब खास तौर पर शहर के मध्य क्षेत्र के चावन पर यातायात की बिगड़ती स्थिति को सुधारने के लिए कदम उठाने के बारे में विचार किया जाना चाहिए। यह सोचा जाना चाहिए कि इन चौराहों पर हालात को किस तरह से हम बेहतर बना सकते हैं।

दैनिक दिनचर्या में शामिल करें 8 रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाले सुबह के पेय

आहार एवं पोषण विशेषज्ञ डॉक्टर आरती मेहरा के अनुसार अपने दिन की शुरुआत ऐसे पेय पदार्थों से करें जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं। इनमें नींबू पानी, हल्दी वाला दूध, अदरक की चाय, हरी स्मूदी, चुकंदर का जूस, शहद और दालचीनी का पानी, नारियल पानी और एलोवेरा जूस शामिल हैं। ये पेय पदार्थ पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इनमें ऐसे गुण होते हैं जो मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और समग्र स्वास्थ्य को बेहतर बनाते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता या प्रतिरक्षा प्रणाली- प्रतिरक्षा आपके शरीर की बैक्टीरिया, वायरस, कवक और विषाक्त पदार्थों से आपके शरीर की रक्षा करने की क्षमता है। इसे एक सुरक्षा प्रणाली के रूप में सोचें। अगर हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली न होती, तो सूक्ष्मजीव आपके शरीर पर अपनी इच्छा से हमला कर सकते थे या उसे संक्रमित कर सकते थे। प्रतिरक्षा के कारण ऐसा नहीं होता।

डॉ. आरती मेहरा
आहार एवं पोषण विशेषज्ञ
7999788456

प्रतिरक्षा के विभिन्न प्रकार- आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली में मोटे तौर पर तीन स्तर की सुरक्षा होती है। जन्मजात प्रतिरक्षा प्रणाली जिसके साथ आप पैदा होते हैं और एक अनुकूल प्रतिरक्षा प्रणाली जो सूक्ष्मजीवों और उनके द्वारा छोड़े जाने वाले रसायनों के संपर्क में आने से विकसित होती है।

आप अपने दिन की शुरुआत कैसे करते हैं, यह आपके स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती का भाग्य निर्धारित कर सकता है। जबकि ज्यादातर लोग अपने दिन की शुरुआत एक कप चाय या कॉफी से करते हैं, विशेषज्ञों का मानना है कि सुबह की दिनचर्या में कैफीन को शामिल करने से स्वास्थ्य पर कई बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं और इससे ऊर्जा के स्तर में गिरावट आ सकती है और कुछ समय बाद निर्जलीकरण हो सकता है। डॉक्टर आरती मेहरा ने बताया कि कई ऐसे सरल मसाले और जड़ी-बूटी आधारित पेय हैं जो स्वाभाविक रूप से आपके चयापचय स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा को बेहतर बनाने में मदद कर सकते हैं और शरीर के खोए हुए पोषक तत्वों की पूर्ति भी कर सकते हैं। **अपने दैनिक आहार में इन सरल पेय पदार्थों को शामिल करें...**

आपको वायरल संक्रमण और बीमारियों से बचाएंगे

नींबू पानी

अपने दिन की शुरुआत इस क्लासिक सुबह के पेय के साथ करें, बस एक गिलास गर्म पानी में आधा नींबू निचोड़ें और इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए इसमें थोड़ी सी काली मिर्च और सेंधा नमक मिलाएं। यह पेय न केवल आपको हाइड्रेट करता है बल्कि पाचन में भी सहायता करता है। नींबू पानी विटामिन सी से भरपूर होता है, जो अपनी प्रतिरक्षा-बढ़ाने वाले गुणों के लिए जाना जाता है।

हल्दी वाला दूध

हल्दी वाला दूध जिसे गोल्डन मिल्क के नाम से भी जाना जाता है, इस पेय में हल्दी, जो एक शक्तिशाली सूजन रोधी मसाला है, को गर्म दूध डेयरी या पौधे-आधारित दूध के साथ मिलाया

जाता है। हल्दी में करक्यूमिन होता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है और संक्रमण से लड़ने में मदद करता है। अवशोषण को बढ़ाने के लिए इसमें एक चुटकी काली मिर्च मिलाएं।

अदरक की चाय

अदरक अपने औषधीय गुणों के लिए प्रसिद्ध है। अदरक की चाय पीने से संक्रमण से लड़ने और सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है। बस ताजे अदरक के टुकड़ों को पानी में उबालें, छान लें और स्वाद के लिए शहद या नींबू मिलाएं। यह पेय विशेष रूप से सर्दी और फ्लू के मौसम में सुखदायक होता है।

ग्रीन स्मूदी

पालक या केल जैसी पत्तेदार सब्जियों, फलों और एवोकाडो या नट बटर जैसे स्वस्थ वसा के स्रोत का मिश्रण पोषक तत्वों से भरपूर स्मूदी बनाता है। चिया बीज या अलसी जैसे तत्वों को शामिल करने से अतिरिक्त ओमेगा-3 फैटी एसिड मिल सकता है, जो प्रतिरक्षा स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

चुकंदर का रस

एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर चुकंदर का जूस रक्त प्रवाह को बेहतर बनाने और सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। कच्चे चुकंदर को नींबू के रस और पानी के साथ मिलाकर एक ताजा पेय बना लें। इसका चमकीला रंग और मिट्टी जैसा स्वाद इसे आपकी सुबह की दिनचर्या में शामिल करने के लिए एक बढ़िया विकल्प बनाता है।

शहद और दालचीनी का पानी

एक चम्मच शहद और एक चुटकी दालचीनी को गर्म पानी में मिलाकर पीने से एक सुखदायक पेय तैयार होता है जिसमें जीवाणुरोधी और सूजनरोधी गुण होते हैं। शहद एक प्राकृतिक स्वीटनर है जो प्रतिरक्षा को बढ़ा सकता है, जबकि दालचीनी में शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव होते हैं।

नारियल पानी

हाइड्रेटिंग और इलेक्ट्रोलाइट्स से भरपूर नारियल पानी शरीर के इष्टतम कामकाज को बनाए

रखने में मदद कर सकता है। इसकी प्राकृतिक शर्करा और खनिज आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन कर सकते हैं, जिससे यह एक ताजा सुबह का पेय बन जाता है, खासकर गर्म महीनों में।

एलोवेरा जूस

एलोवेरा जूस अपने पाचन संबंधी लाभों और विषहरण गुणों के लिए जाना जाता है। सुबह में थोड़ी मात्रा में पीने से प्रतिरक्षा को बढ़ावा मिलता है और आंत के स्वास्थ्य में सुधार होता है। सर्वोत्तम लाभों के लिए बिना चीनी मिलाए शुद्ध एलोवेरा जूस लें।

आरटीआई के अंतर्गत हर व्यक्ति को सूचना प्राप्त करने का अधिकार है

सूचना की हर एक संस्था को देनी होगी जानकारी- हाईकोर्ट

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में संस्था की ओर से पेश जवाब में कहा कि गैर अनुदान प्राप्त संस्थान होने के कारण आय-व्यय का लेखा-जोखा सूचना के अधिकार में नहीं दिया जा सकता है। आरटीआई के तहत जानकारी मांगने वाला आवेदनकर्ता संस्था का सदस्य भी नहीं है इसलिए व्यक्ति को सूचना प्राप्त करने का वैधानिक अधिकार नहीं है

आय-व्यय का ब्योरा लेने संस्था के बाहर के एक व्यक्ति ने आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी।

इसके बाद संस्था ने देने से यह कहकर इन्कार कर दिया था कि वह कोई शासकीय संस्थान नहीं है और ना ही शासकीय अनुदान प्राप्त संस्थान है सूचना प्राप्त करने वाला व्यक्ति भी संस्था का सदस्य नहीं है

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि कोई भी विधिवत आवेदन पेश करता है तो उसे जानकारी देनी होगी।

कोर्ट ने बिलासपुर कुदुदंड स्थित चर्च ऑफ ख्राइस्ट मिशन से संबंधित एक मामले में कुछ इस तरह व्यवस्था दी है। मामले की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने संस्था को निर्देशित किया है कि अगर कोई व्यक्ति सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत विधिवत आवेदन पेश करता है तो उसे जानकारी देनी होगी।

संस्था ने यह कहते हुए जानकारी देने से इन्कार कर दिया था कि उसे केंद्र व राज्य शासन से किसी तरह का कोई अनुदान नहीं मिलता है। जानकारी मांगने वाला व्यक्ति संस्था से संबंधित नहीं है। कोर्ट ने अपने निर्णय में स्पष्ट कहा है कि यदि कोई व्यक्ति अधिनियम 2005 के तहत कोई जानकारी मांगता है तो इस अधिनियम के अन्तर्गत याचिकाकर्ता सोसायटी सूचना देने के लिए उत्तरदायी होगी।

प्रकरण इस प्रकार है कि चर्च ऑफ ख्राइस्ट मिशन द्वारा कुदुदंड बिलासपुर में संचालित अलग-अलग प्राथमिक शाला और शेफर स्कूल के आय-व्यय का ब्योरा लेने संस्था के बाहर के एक व्यक्ति ने आरटीआई के तहत जानकारी मांगी थी। इसे संस्था ने देने से यह कहकर इन्कार कर दिया था कि यह कोई शासकीय संस्थान नहीं है। इसके अलावा इसे कोई अनुदान भी नहीं मिलता है। बाद में शिकायतकर्ता का निधन भी हो गया।

संस्था द्वारा सूचना नहीं प्रदान करने पर संस्था के बाहर के सदस्यों ने सूचना आयोग में आवेदन पेश किया था। मामले की सुनवाई के बाद सूचना आयोग ने संस्था को नोटिस जारी कर जानकारी नहीं देने पर 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया था। सूचना आयोग के फैसले को चुनौती देते हुए याचिकाकर्ता संस्था ने अपने अधिवक्ता के माध्यम से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी।

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने दिया महत्वपूर्ण फैसला

सुनवाई के बाद छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने कहा कि शिकायतकर्ता की पहले ही मृत्यु हो चुकी है। सूचना के अधिकार अधिनियम 2005 के तहत दायर आवेदन के अनुसार कोई भी जानकारी देने के लिए संस्था उत्तरदायी नहीं है। हाईकोर्ट ने यह भी कहा कि भविष्य में यदि कोई व्यक्ति अधिनियम 2005 के तहत कोई जानकारी मांगता है तो संबंधित

सोसायटी सूचना देने के लिए उत्तरदायी होगी। इसके साथ ही याचिका को कोर्ट ने निराकृत कर दी है।

सूचना का अधिकार (आरटीआई) से जुड़े कुछ अहम फैसले सुप्रीम कोर्ट ने ये दिए हैं:

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला दिया है कि मुख्य न्यायाधीश का कार्यालय एक सार्वजनिक प्राधिकरण है। इसलिए, कॉलेजियम द्वारा न्यायाधीशों की नियुक्ति और स्थानांतरण से जुड़े फैसले, कुछ मामलों में, आरटीआई के तहत सार्वजनिक जांच के लिए खोले जा सकते हैं। हालांकि, न्यायपालिका की आजादी और गोपनीयता को भी ध्यान में रखना चाहिए।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि नागरिकों को चुनाव के उम्मीदवारों के खिलाफ आरोपों और उनकी संपत्ति के बारे में जानकारी लेने का अधिकार है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि व्यक्तिगत जानकारी का खुलासा तभी किया जा सकता है, जब इससे व्यापक जनहित की पूर्ति हो।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि मुख्य सूचना आयुक्त (CIC) के पास केंद्रीय सूचना आयोग के मामलों के प्रबंधन के लिए पीठों का गठन करने और नियम बनाने का अधिकार है।

सर्वोच्च न्यायालय ने यह निर्णय दिया कि मुख्य न्यायाधीश आरटीआई अधिनियम के दायरे में आते हैं।

यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के महासचिव द्वारा दायर याचिका पर आया है, जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय के 2010 के आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें कहा गया था कि सीजेआई का कार्यालय एक सार्वजनिक प्राधिकरण है और सूचना के अधिकार अधिनियम के दायरे में आता है। न्यायिक स्वतंत्रता की अवधारणा न्यायाधीश का व्यक्तिगत विशेषाधिकार नहीं है, बल्कि व्यक्ति पर डाली गई जिम्मेदारी है, एचसी ने अपने फैसले में कहा था।

संजय मेहरा
हाईकोर्ट एडवोकेट
98270 74132

सूचना का अधिकार अधिनियम

यह अधिनियम सबसे महत्वपूर्ण अधिनियमों में से एक है जो आम नागरिकों को सरकार और उसके काम पर सवाल उठाने का अधिकार देता है। इसका व्यापक रूप से नागरिकों और मीडिया द्वारा भ्रष्टाचार, सरकारी काम में प्रगति, व्यय-संबंधी जानकारी आदि को उजागर करने के लिए उपयोग किया जाता है।

सभी संवैधानिक प्राधिकरण और एजेंसियों का स्वामित्व और नियंत्रण सरकार के पास है। साथ ही, वे संगठन जिन्हें सरकार पर्याप्त रूप से वित्तपोषित करती है, वे भी अधिनियम के दायरे में आते हैं। यह अधिनियम केंद्र सरकार या राज्य सरकार के सार्वजनिक प्राधिकरणों को नागरिकों के सूचना के अनुरोध पर समय पर प्रतिक्रिया देने का भी अधिकार देता है।

यदि अधिकारी निर्धारित समय में नागरिक को जवाब देने में देरी करते हैं तो अधिनियम में दंड का भी प्रावधान है।

RTI से जुड़ी कुछ और जानकारी:

RTI के तहत आवेदन करने के लिए, 10 रुपये का शुल्क देना होता है। यह शुल्क नकद, भारतीय पोस्टल ऑर्डर, या मनी ऑर्डर के जरिए दिया जा सकता है।

अगर सूचना नहीं मिलती, तो 30 दिनों के अंदर प्रथम अपील की जा सकती है।

आवेदन पत्र की फोटोकॉपी कराकर, जन सूचना अधिकारी से रिसीविंग ले लेनी चाहिए।

केंद्र सरकार के किसी भी विभाग से जानकारी पाने के लिए, ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है।

सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों की नियुक्ति से संबंधित जानकारी 'थर्ड पार्टी इंफॉर्मेशन' है, आरटीआई एक्ट की धारा 11 (1) का अनुपालन जरूरी भारत के सर्वोच्च न्यायालय के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी द्वारा दायर अपीलों के एक समूह में, जानने के अधिकार, गोपनीयता के अधिकार और पारदर्शिता, जवाबदेही और न्यायपालिका की स्वतंत्रता से संबंधित है। ये अपीलें केंद्रीय सूचना आयोग द्वारा पारित आदेश को चुनौती देते हुए दायर की गई थीं, जिसमें सर्वोच्च न्यायालय के कुछ न्यायाधीशों की नियुक्ति, उनके नाम पर और उनके जीवनसाथी या उन पर निर्भर किसी व्यक्ति के नाम पर उनकी अचल संपत्ति या निवेश के रूप में परिसंपत्तियों की घोषणा से संबंधित जानकारी का खुलासा उचित समय के भीतर न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश को करने का निर्देश दिया गया था। सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति से संबंधित मांगी गई जानकारी 'तीसरे पक्ष' की जानकारी है और इसलिए सूचना के अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 11 के तहत प्रक्रिया का अनुपालन किया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह भी माना कि सर्वोच्च न्यायालय के जिन न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति घोषित की है, उनके संबंध में दी गई जानकारी न्यायाधीशों की 'व्यक्तिगत जानकारी' नहीं है और इस प्रकार, यह गोपनीयता के अधिकार का उल्लंघन नहीं करती है।

संसद की एक स्थायी समिति ने सिफारिश की है कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के न्यायाधीश भी अपनी संपत्ति का वार्षिक ब्योरा सार्वजनिक रूप से घोषित करें। समिति ने कहा कि सार्वजनिक पद पर आसीन और सरकारी कोष से वेतन पाने वाले किसी भी इंसान को अनिवार्य रूप से अपनी संपत्ति का वार्षिक रिटर्न दाखिल करना चाहिए। ऐसी व्यवस्था सांसदों और विधायकों के लिए पहले से बनी हुई है।

एक संस्थागत व्यवस्था बनाए जाने की जरूरत पर भी दिया बल

अपनी रिपोर्ट 'न्यायिक प्रक्रियाएं और उनमें सुधार' विषय पर कार्मिक, लोक शिकायत, कानून एवं न्याय विभाग से संबंधित संसद की स्थायी समिति ने कहा कि यह सामान्य परंपरा है कि संवैधानिक पदाधिकारियों और सरकारी सेवकों को अपनी संपत्ति और देनदारियों का वार्षिक ब्योरा दाखिल करना चाहिए। सरकार ने संसदीय समिति को बताया है कि नियमित रूप से संपत्तियों की जानकारी देना और इसे सार्वजनिक रूप से अपलोड करने के लिए एक संस्थागत व्यवस्था बनाए जाने की आवश्यकता है।

यह बात भी कही गई कि सुप्रीम कोर्ट का अन्य न्यायाधीशों पर कोई अनुशासनात्मक नियंत्रण नहीं है। ऐसा कोई कानून नहीं है। यह केवल नैतिकता की बात है। संपत्ति का खुलासा करने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता है। सरकार ने संसदीय समिति को बताया है कि नियमित रूप से संपत्तियों की जानकारी देना और इसे सार्वजनिक रूप से अपलोड करने के लिए एक संस्थागत व्यवस्था बनाये जाने की आवश्यकता है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 12-10-2005 को प्रभावी हुआ। अधिनियम का विधायी उद्देश्य सार्वजनिक प्राधिकरणों के अधिकार के तहत नागरिकों की सूचना तक पहुंच को सुरक्षित करने के लिए एक परिचालन संरचना स्थापित करना और सरकारी कार्यों में खुलेपन, जवाबदेही और पारदर्शिता को बढ़ावा देना है।

आरटीआई से जुड़ी खास बातें:

आरटीआई के तहत, कोई भी नागरिक किसी भी सरकारी विभाग से जानकारी ले सकता है। हालांकि, यह जानकारी तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

आरटीआई के तहत, सरकार को आपके अनुरोध का जवाब मिलने में कम से कम 20 कार्य दिवस का समय लगता है।

अगर सरकार को जवाब देने के लिए ज्यादा समय चाहिए, तो उसे यह बताना होगा कि ऐसा क्यों और कितना समय लगेगा।

सुप्रीम कोर्ट के मुताबिक, आरटीआई के तहत दिए जाने वाले आवेदनों के लिए अधिकतम शुल्क 50 रुपये है। वहीं, फोटोकॉपी शुल्क पांच रुपये प्रति पेज है।

नरोत्तम मिश्रा को हराने वाले कांग्रेस विधायक को भाजपा में लाने की तैयारी

दतिया विधानसभा सीट से कांग्रेस विधायक राजेन्द्र भारती के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजेन्द्र भारती ने 2023 के विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा को चुनाव हराया था। बताया जा रहा है कि एक राज्य के पूर्व सीएम के साथ उनकी सीक्रेट मीटिंग हुई थी। फिलहाल सियासी अटकलों का दौर जारी है।

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

हरियाणा विधानसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस को मध्यप्रदेश में एक बड़ा झटका लग सकता है। मध्यप्रदेश कांग्रेस के एक विधायक राजेन्द्र भारती के बीजेपी में शामिल होने की अटकलें लगाई जा रही हैं। राजेन्द्र भारती ने 2023 के विधानसभा चुनाव में नरोत्तम मिश्रा को चुनाव हराया था। नरोत्तम मिश्रा, 2023 में मध्यप्रदेश के गृहमंत्री थे। सियासी अफवाहों के बीच राजेन्द्र भारती की तरफ से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। मध्यप्रदेश की दो विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। इन उप चुनाव के पहले ही कांग्रेस को यह झटका देने की तैयारी है।

हाल ही में राजेन्द्र भारती की सीक्रेट मीटिंग राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे सिंधिया से हुई थी। दतिया में मां पीतांबरा शक्तिपीठ के दर्शन करने आई वसुंधरा राजे से राजेन्द्र भारती की आधे घंटे तक सीक्रेट मीटिंग हुई थी। इसके साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि राजेन्द्र भारती कांग्रेस के कार्यक्रमों से दूरी बना रहे हैं ।

इसके बाद से बीजेपी के कई नेताओं ने भारती से संपर्क किया है। इसके बाद से ही अटकलों का बाजार गर्म हो गया है। वर्ष 2023 में हुए विधानसभा चुनाव के बाद से अब तक कांग्रेस के तीन विधायक पाला बदल चुके हैं। ऐसी स्थिति में अब कांग्रेस भी एक्टिव हो गई है। कांग्रेस की ओर से कोशिश की जा रही है कि दल बदल की भाजपा की कोशिश पर पानी फेरा जा सके। नरोत्तम मिश्रा का भारती को घोर विरोधी माना जाता है। इस समय मिश्रा भी भाजपा में मजबूत स्थिति में है। चुनाव हारने के बावजूद उनकी पूछ पारख कम नहीं हुई है।

3 विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव के लिए तैयारी शुरु

मप्र में तीन सीटों पर विधानसभा उपचुनावों को लेकर संगठन और सरकार की तैयारी तेज हो गई है। कांग्रेस समेत भाजपा नेताओं के दौरे से लेकर बैठकें भी जारी है। विधानसभा उपचुनावी क्षेत्र बुधनी, श्योपुर और बीना में शासन ने सरकारी खजाने का पिटारा भी खोल दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने यहां राज्य स्तरीय कार्यक्रम में उन्होंने 3 हजार करोड़ से अधिक की सौगातों की घोषणा की। तो वहीं मध्य प्रदेश राज्य परिसीमन आयोग बनाने की बात करते हुए बीना को नया जिला बनाए जाने की घोषणा को टाल दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य में जो नए जिले और संभाग बनेंगे उनमें बीना जिला भी शामिल होगा। हालांकि बीना से खिमलासा, मंडी बामौरा सहित सारे इलाके को लेकर उन्होंने घोषणाओं की झड़ी लगा दी। कुल मिलाकर नया जिला छोड़कर बीना विधायक निर्मला सप्रे ने जो मांगा वह सब बीना को मिल गया।

उपचुनावी क्षेत्रों में करोड़ों की सौगात को लेकर कांग्रेस ने आपत्ति जताई। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता फरहाना खान ने कहा कि भाजपा का विकास सिर्फ चुनावी है। सालों से बदहाल क्षेत्रों की सुध नहीं ली गई। यह भी सिर्फ खोखले वादे हैं जो कभी पूरे नहीं होंगे। यह भी कहा कि बीते विधानसभा और लोकसभा में किए अधूरे चुनावी वादों से ठगी जनता इस बार इनके झांसे में नहीं आने वाली। उधर, भाजपा प्रदेश प्रवक्ता शुभम शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस विकास को भी राजनीतिक चश्मे से देखती है। जबकि पूरे प्रदेश में भाजपा सरकार के बेहतर भविष्य के लिए लगातार काम कर रही है। कांग्रेस के इस प्रकार के नकारात्मक बयान यह साबित करते हैं कि चुनाव के पहले ही विपक्ष ने इन तीनों सीटों पर अपनी हार स्वीकार कर ली है।

इस सप्ताह आपके सितारे
9 अक्टूबर 2024 से 15 अक्टूबर 2024

किसी के रुके कार्य होंगे तो किसी को मिलेगा रुका हुआ पैसा...

मेष - इस सप्ताह अधिक व्यय होने की संभावना है। कारोबार अच्छा चलेगा। भाग्य साथ देगा। मान सम्मान बढ़ेगा। किसी रुके हुए कार्य के होने की संभावना है। शत्रु कुछ कष्ट दे सकते हैं। उदर विकार अल्पाधिक होगा। वाहन से अल्प कष्ट संभव है। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा।

वृषभ - मानसिक तनाव बढ़ेगा। शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। बेवजह के विवादों से दूर रहें। कार्यों में बाधाएं उत्पन्न होगी। किसी का व्यवहार मन को कष्ट देगा। प्रेम संबंधों के लिए समय प्रतिकूल है। लाभ कम, व्यय अधिक। संतान पक्ष धनात्मक रहेगा। वाहन सुख उत्तम।

मिथुन - व्यय अधिक होगा किंतु उसी अनुरूप लाभ भी होंगे। शारीरिक स्वास्थ्य ठीक रहेगा। प्रेम संबंधों के प्रति सावधान रहें। जीवनसाथी से विवाद हो सकता है। कारोबार अच्छा चलेगा। शत्रु पराजित होंगे। घर परिवार में किसी शुभ कार्य के होने की भी संभावना है।

कर्क - कार्य करने की क्षमता में वृद्धि होगी। कारोबार अच्छा चलेगा। वाहन से अल्पाधीक कष्ट संभव है। शत्रु हावी होने का प्रयास करेंगे किंतु विजय आपकी होगी। प्रेम संबंधों में मधुरता रहेगी। संतान पक्ष कुछ परेशान कर सकता है। धनागम में वृद्धि होगी। माता का ध्यान रखें।

सिंह - इस सप्ताह जीवनसाथी की ओर से परम धनात्मकता का अनुभव होगा। प्रेम संबंध भी बहुत अच्छे रहेंगे। स्वयं के शारीरिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें। संतान पक्ष कुछ पीड़ित करेगा। मित्र सहयोग देंगे। अचानक कोई काम होने से खुशी होगी। वाहन सावधानी से चलावें। विवादों से बचें।

कन्या - इस सप्ताह शारीरिक स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। आवक अच्छी होगी। कारोबार में उन्नति होगी। शत्रु हावी होने की कोशिश करेंगे। मित्र भी वांछित सहयोग नहीं करेंगे। वाहन सुख उत्तम। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और सहयोग अच्छा रहेगा।

तुला - इस सप्ताह संतान संबंधी किसी चिंता का निवारण होगा। कोई रुका हुआ पैसा भी प्राप्त हो सकता है। किसी से विवाद न करें अन्यथा परेशानी होगी। जीवनसाथी का स्वास्थ्य एवं सहयोग अच्छा रहेगा। प्रेम संबंध सुधरेंगे। भूमि संबंधी कोई कार्य होगा।

वृश्चिक - इस सप्ताह मानसिक तनाव बहुत रहेंगे। बेवजह के विवादों से भी बचें। भूमि भवन संबंधी कोई कार्य होगा। संतान पक्ष अच्छा रहेगा। जीवनसाथी का सहयोग अच्छा मिलेगा। कारोबार में कुछ न्यूनतम रहेगी। वाहन सुख उत्तम। यात्रा हो सकती है।

धनु - इस सप्ताह आपके किसी कार्य के संपन्न हो जाने से खुशी मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों के प्रति सावधान रहें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ख्याल रखें। संतान पक्ष कुछ कष्ट दे सकता है किंतु चिंतनीय नहीं। कारोबार अच्छा चलेगा। शत्रु सिर उठा सकते हैं।

मकर - कारोबार अथवा कार्य की दृष्टि से यह सप्ताह अच्छा है। मित्रगण सहयोग करेंगे। जीवनसाथी का व्यवहार और स्वास्थ्य अल्प रूप से ऋणात्मक रहेगा। रोमांस के लिए समय ठीक नहीं। आय अच्छी होगी। वाहन सुख उत्तम है। भूमि संबंधी विवाद खड़ा हो सकता है।

कुंभ - इस सप्ताह आपको अचानक रुका हुआ कुछ पैसा मिल सकता है। जीवनसाथी का सुख एवं सहयोग अच्छा रहेगा। प्रेम संबंधों में धनात्मकता दिखाई देगी। भाई बहनों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है। कारोबार अच्छा रहेगा। शत्रु दबेंगे।

मीन- इस सप्ताह आपके परिवार में कुछ अशांति हो सकती है अतः सावधानी रखें। कारोबार में लाभ सीमित होगा। व्यय अधिक होंगे। संतान पक्ष का अच्छा सहयोग मिलेगा। वाहन सावधानी पूर्वक चलावें। जीवनसाथी का स्वास्थ्य और सहयोग अच्छा रहेगा।

श्रीमान उमेश पांडे
ज्योतिष एवं वास्तुविद
महात्मा गांधी मार्ग, मल्हारगंज, इंदौर (म.प्र.)
मो. 8602912030

इस सप्ताह की ग्रह स्थितियां

■ **सूर्य** - कर्क राशि में 17 से सिंह राशि में ■ **चंद्रमा** - वृश्चिक से धुन राशि में ■ **मंगल** - वृषभ राशि में ■ **बुध** - सिंह राशि में ■ **गुरु** - वृषभ राशि में ■ **शुक्र** - सिंह राशि में ■ **शनि** - कुंभ राशि में वक्री ■ **राहु** - मीन राशि में ■ **केतु** - कन्या राशि में

61 साल पुराना नेहरू स्टेडियम नहीं बन सका स्पोर्टस काम्प्लेक्स

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

वर्ष 1963 में नेहरू स्टेडियम बनकर तैयार हुआ था। 61 साल पुराने इस स्टेडियम में 15 से ज्यादा खेल संगठनों के कार्यालय है। खेल संगठनों की नाराजगी नगर निगम की बेरुखी को लेकर है, क्योकि किराया लेने के बावजूद बिल्डिंग का रखरखाव नहीं होता है। इस स्टेडियम को स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स बनाने की योजना कागज पर बनकर कागज पर ही खत्म हो गई।

इंदौर की खेल गतिविधियों के नेहरू स्टेडियम को तोड़कर पांच सौ करोड़ की लागत से नया स्पोटर्स काम्प्लेक्स बनाने की योजना तैयार हो गई, लेकिन उस पर काम नहीं हो सका। अब न तो नया स्टेडियम बन पा रहा है और न ही पुराने स्टेडियम का रखरखाव करने में नगर निगम रूचि ले रहा है। 61 साल पुराने स्टेडियम के कई हिस्से खतरनाक हो चुके है और अभी भी कई कक्षों में खेल गतिविधियां संचालित हो रही है। इंदौर खेल गतिविधियों का बड़ा केंद्र बन रहा है, लेकिन यहां खिलाडियों के लिए बेहतर सुविधाएं नहीं है।

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज की घोषणा ठंडे बस्ते में

इंदौर के गौरव दिवस पर पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नेहरू स्टेडियम को तोड़कर नया स्टेडियम बनाने की घोषणा की। नगर निगम ने पीपीपी मॉडल पर इसे बनाने की योजना तैयार की। जिसकी अनुमानित लागत 500 करोड़ रुपये तक आ रही थी। नए स्पोटर्स काम्प्लेक्स के एक हिस्से का कर्मशियल उपयोग करने की प्लानिंग थी, ताकि प्रोजेक्ट की लागत निकल सके।

इस स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में 50 से ज्यादा दुकानें, फूड कोर्ट रखने की योजना स्मार्ट सिटी कंपनी ने बनाई थी लेकिन दो साल बाद भी इस योजना पर काम नहीं हो पाया। खेल गतिविधियों से जुड़े एमपीसी के पदाधिकारी राजू चौहान कहते हैं कि नेहरू स्टेडियम की लोकेशन काफी अच्छी है। यहां नया स्टेडियम बनना चाहिए। इससे इंदौर के आसपास की खेल प्रतिभाएं भी लाभान्वित होगी।

15 खेल संगठनों के कार्यालय है स्टेडियम में

इंदौर में वर्ष 1963 में नेहरू स्टेडियम बनकर तैयार हुआ था। 61 साल पुराने इस स्टेडियम में 15 से ज्यादा खेल संगठनों के कार्यालय है। खेल संगठनों की नाराजगी नगर निगम की बेरुखी को लेकर है, क्योकि किराया लेने के बावजूद बिल्डिंग का रखरखाव नहीं होता है।

चुनाव के समय प्रशासन इस स्टेडियम का अधिगृहण कर लेता है। तब एक माह तक खेल गतिविधियां प्रभावित रहती हैं। बाहर से आने वाले सुरक्षा बलों को भी स्टेडियम के कक्षों में ठहराया जाता है। खेल गतिविधियों के अलावा दूसरे कामों में भी इसका उपयोग होता है। पहले यहां इंटरनेशनल मैच भी होते थे, लेकिन पिच खराब होने के कारण एक मैच रद्द हो गया था। इसके बाद एमपीसीए ने खुद का स्टेडियम बनाया। अब अंतरराष्ट्रीय मुकाबले वहां खेले जाते है। नेहरू स्टेडियम शहर की विरासत है। स्टेडियम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई मैच हुए। इस स्टेडियम में सचिन तेंदुलकर के 10 हजार रन इस स्टेडियम में पूरे हुए थे।

महाराष्ट्र में 20, झारखंड में 13 और 20 नवंबर को वोटिंग, 23 नवंबर को नतीजे

नई दिल्ली। महाराष्ट्र और झारखंड की चुनावी तारीखों को लेकर कई दिनों से चला आ रहा सस्पेंस मंगलवार को खत्म हो गया। चुनाव आयोग ने मंगलवार को दोनों राज्यों के चुनावी कार्यक्रम का ऐलान कर दिया। इसके अलावा 48 विधानसभा सीटों पर और दो लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीख का ऐलान भी हुआ है।

मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने बताया तो कि महाराष्ट्र में एक चरण में चुनाव 20 नवंबर को होंगे। वहीं झारखंड में दो चरणों में चुनाव होंगे। इस राज्य में 13 और 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इन दोनों राज्यों के नतीजे एक साथ ही 23 नवंबर को आएंगे।

बता दें कि महाराष्ट्र में 288 विधानसभा सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए किसी भी गठबंधन को 145 सीटें चाहिए होंगी। वहीं झारखंड की बात करें तो विधानसभा की 81 सीटें हैं और सरकार बनाने के लिए किसी भी दल को 42 सीटों की जरूरत होगी।

48 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान

इसके अलावा 48 विधानसभा और 2 लोकसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा हुई है। 13 नवंबर को 47 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होंगे। वहीं केदारनाथ विधानसभा उपचुनाव के लिए वोटिंग 20 नवंबर को होगी।

दो सीटों पर लोकसभा उपचुनाव

इसके अलावा 2 लोकसभा सीटों पर भी उपचुनाव होना है। इनमें भी दो चरणों में उपचुनाव होना है। दो लोकसभा सीटों पर विस्तार से बात करें तो केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर 13 नवंबर को वोटिंग होगी तो वहीं महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे। इन सभी उपचुनावों के नतीजे भी दो राज्यों के साथ ही 23 नवंबर को आएंगे।

वायनाड में उपचुनाव क्यों?

बता दें कि राहुल गांधी के इस्तीफे के बाद केरल की वायनाड सीट पर उपचुनाव हो रहा है। दरअसल, इसी साल हुए लोकसभा चुनावों में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दो सीटों- केरल की वायनाड और यूपी की रायबरेली से चुनाव लड़ा था। उन्होंने दोनों ही सीटों पर जीत दर्ज की थी। इसके बाद उन्होंने वायनाड लोकसभा सीट छोड़ने की घोषणा कर दी थी और रायबरेली लोकसभा सीट से सांसद बने रहने का फैसला किया था। उनके इस्तीफे के बाद अब वायनाड में उपचुनाव हो रहे हैं।

नांदेड़ में उपचुनाव क्यों?

इसके अलावा नांदेड़ उपचुनाव की बात करें तो महाराष्ट्र की नांदेड़ लोकसभा सीट पर 20 नवंबर को उपचुनाव कराया जाएगा। यह सीट कांग्रेस नेता वसंतराव बलवंत राव चव्हाण के निधन के बाद खाली हुई है। उनका 26 अगस्त को निधन हो गया था। वसंतराव बलवंत राव चव्हाण ने बीजेपी के प्रतापराव गोविंदराव चिखलिकार को हराया था। बलवंत राव को लोकसभा चुनाव में 528894 वोट मिले थे जबकि चिखलिकार को 469452 वोट प्राप्त हुए थे।

दाल-बाफले, पोहे-जलेबी से बाहर कब निकलेगा इंदौर?

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

इसमें कोई संदेह ही नहीं कि इंदौर तेजी से प्रगति कर रहा है। यहां व्यापार, उद्योग, शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव हो रहे हैं। कम से कम मप्र का निवासी अपने बच्चों को उच्च शिक्षा, व्यापार, नौकरी के लिये इंदौर भेजना पसंद करता है। चिंता भी इसलिये अधिक है कि जो प्रतिष्ठा इस शहर की, यहां के लोगों के भावनात्मक लगाव की, तरक्की पसंद होने की है, वह धूमिल न हो। यदि मैंने कुछ कमियों, आवश्यकताओं की ओर ध्यान दिलाने का प्रयास किया भी है तो इसीलिये कि इंदौर से मेरा 45 बरस लंबा लगाव है और महसूस किया है कि इसमें विश्व स्तरीय ख्याति प्राप्त करने की योग्यता है। आज बात कर लेते हैं, उन सकारात्मक परिवर्तनों, सुधारों की जो शहर को नई पहचान देंगे और सुविधाओं के विस्तार को गति देंगे। मप्र शासन, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण मिलकर इंदौर में करीब 2 हजार करोड़ के विकास कार्य संचालित कर रहे हैं, जो शहर को आधुनिक, सुविधाजनक बनाने की ओर बढ़ते कदम माने जाएंगे।

इंदौर में विकास कार्य काफी गति से चल रहे हैं, जिसमें फ्लायओवर, पुल, रेलवे ओवर ब्रिज और मेट्रो प्रमुख हैं। ऐसा माना जा रहा है कि इनके बनने से शहर के यातायात की दशा सुधरेगी, आवागमन आसान होगा, जो प्रकारांतर से शहर की तरक्की में सहायक होगा। ये परस्पर जुड़ी हुई बातें हैं, लेकिन यह सोचकर बैठ जाने से प्रगति नहीं होगी। विकास ऐसी निरंतर प्रक्रिया है, जिसकी गति धीमी पड़ने या थम जाने का असर तत्काल होता है। इसलिए ऐसे उपायों पर चिंतन और अमल भी आवश्यक है।

ऐसे ही खंडवा रोड पर आईटी चौराहा, मूसाखेड़ी चौराहा, निरंजनपुर, सत्य साई चौराहे पर पुल का काम तेजी से चल रहा है। साथ ही बाणगंगा हरनिया खेड़ी (राऊ-महू के पास), लसूड़िया मोरी व मांगलिया में रेलवे ओवर ब्रिज भी बनने हैं।

इस तरह से अगले दो-तीन साल में शहर को यातायात जाम की असुविधा से काफी हद तक राहत मिलने की आशा की जा सकती है। इसके अलावा मेट्रो का काम भी चल रहा है, जो पूर्णता के लक्ष्य से भले ही दूर हो, लेकिन आगामी 50 वर्ष के परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह संतोषजनक उपलब्धि होगी। हालांकि इसके मार्ग व कहां भूमिगत रहे व कहां भूमि पर रहे, इसे लेकर दुविधा बरकरार है। इसका जो भी सवज़ सम्मत निराकरण हो, यह भी शहर में नागरिक परिवहन के साधनों को संतोषप्रद स्थिति देने में सहायक होगी। यह भी उतना ही सही है कि रीगल चौराहे से खासकर बड़ी गणपति चौराहे तक या सीधे एअरपोर्ट तक के भी मार्ग को लेकर ढेर सारी आशंकायें हैं। इन पर प्रशासन, जन प्रतिनिधि, मेट्रो विशेषज्ञ, जिम्मेदार नागरिक व संगठन काफी चिंतित हैं। इसलिये भी इसकी गति रुकी-सी है। वैसे जो करीब साढ़े पांच किलो मीटर का ट्रेक तैयार हो रहा है, वहां कोई अड़चन नहीं है, जो इस वर्ष प्रारंभ भी हो जायेगा।

ऐसे में यह प्रश्न स्वाभाविक है कि तब इंदौर के विकास में कहां और क्या अवरोध माना जा रहा है? जैसा कि मैंने अपने पूर्व के लेखों में स्पष्ट किया है कि केवल विकास कार्य शहर की पहचान या सुविधाजनक स्थिति को परिभाषित नहीं कर सकते। इनके साथ ही व्यवस्थित बसाहट, सुगम यातायात, सड़कों की चौड़ाई, सड़क-फुटपाथ पर अतिक्रमण, स्वास्थ्य सुविधाओं का उम्दापन, जन प्रतिनिधियों की सजगता व जिम्मेदारी का भाव, प्रशासन की मुस्तैदी और शासन की ओर से निरंतर मिलने वाली योजनाओं का समन्वित प्रयास नहीं होगा, तब तक इंदौर का समग्र, समुचित और उल्लेखनीय विकास नहीं हो सकता। इसकी भारी कमी अभी-भी है।

इस शहर के लोगों का बेमिसाल समाज सेवा भाव, जन भागीदारी की तत्परता, मिलनसारिता और अपने बल पर शहर को बेहतर बनाने के लिये किये जाने वाले काम उसे देश के इस स्तर के शहरों में सबसे अलग बनाते हैं। फिर भी इतना काफी नहीं है। यहां के लोग अपने घर के सामने से लेकर अपने व्यापारिक संस्थान तक सामने ही वाहनों की जो साधिकार पार्किंग कर लेते हैं, दुकानों के सामने सड़क व फुटपाथ पर अतिक्रमण कर लेते हैं, ठेलों-रनगाड़ों का जो बेतरतीब आवागमन होता है, चौराहों पर लाल बत्ती का उल्लंघन करते हैं बायीं तरफकी सड़क घेर कर खड़े हो जाते हैं और पीछे वाले के हॉर्न बजाने पर भी हरी बत्ती होने तक नहीं हटते, वह प्रमुख मसले हैं, जो छोटे नजर आते हैं, लेकिन शहर की छवि निर्माण में विशाल तत्व हैं। इन सबसे माशाअल्लाह तो हैं, हमारे जन प्रतिनिधि, नेता जो तमाम इस तरह के नियम विरुद्ध, अनुशासनहीनता, गैर जिम्मेदाराना काम करने वालों को खुलकर समर्थन देते हैं और शासकीय मशीनरी पर अनावश्यक दबाव बनाते हैं। चौराहे पर ट्रैफिक जवान द्वारा रोकने पर किसी पार्षद, सासंद, विधायक महापौर, पार्षद को फोन लगाना तो ऐसे हैं, जैसे छोटा बच्चा चाकलेट के लिये मचलता है तो अभिभावक उसे दिलाकर चुप करा रहे हों।

जो एक और बड़ी कमी इस शहर के जन प्रतिनिधियों की है, वह है प्रत्येक छोटे-छोटे कार्यक्रमों में शामिल होना। वे इसे अपनी लोकप्रियता से जोड़कर देखते हैं और मानते हैं कि वे जितना अधिक हार-फूल करवायेंगे, उतना ही अधिक जाने-माने-पहचाने जायेंगे। जबकि वे अपने उस समय का सत्यानाश कर रहे होते हैं, जो उन्हें किसी जनहित के काम के लिये, शहर को व्यवस्थित, अनुशासित, विकसित, आत्म निर्भर और प्रतिष्ठा प्राप्त इंदौर का दर्जा दिलाने में सहायक हो सकते हैं। इसमें पार्षद तो छोड़िये, सांसद, विधायक, महापौर तक शामिल हैं। वैसे अब यह हमारी राष्ट्रीय समस्या बन चुकी है। इससे जितना तेजी से उबरेंगे, उतना अधिक सकारात्मक सोच पनपेगा, शहर की बेहतरी की कल्पना व अमल कर पायेंगे, केंद्र व राज्य शासन के नित-नई योजानायें व कोष ला सकेंगे। जबकि ये काम राजनीतिक पार्टी संगठन के पदाधिकारियों के होने चाहिये। मुझे लगता है, इस तरह का आचरण व सोच जन प्रतिनिधियो को अपेक्षाकृत अधिक लोकप्रिय, सार्थक और सफल बनायेगा।

मेरा मानना है कि अभी-भी कुछ नहीं बिगड़ा है। सबसे पहले तो इंदौर को इस आत्म मुग्धता से बाहर आना होगा कि हमारी पहचान के लिए तो दाल-बाफले और पोहे - जलेबी ही काफी है। यदि इंदौरवासी मिलकर नई कार्य संस्कृति विकसित कर लें तो जिस तरह के नवाचर हमने स्वच्छता में किये हैं और समूचे भारत में उनकी अनुगूंज हुई, अनुसरण हुआ, वैसा ही इस क्षेत्र में भी हो सकता है कि इंदौर में न तो फोकट के कार्यक्रम होते हैं, ना ही वहां के जन प्रतिनिधि इनमें जाकर अपना समय बरबाद करते हैं। अपनी उत्सवप्रियता के लिये दुनिया भर में विख्यात शहर इंदौर के लिये ऐसा कर पाना मुश्किल तो है, नामुमकिन नहीं।

नायता मुंडला का ISBT तो शुरु हो गया लेकिन सडक है बदहाल

राइजिंग इन्दौर
■ रिपोर्टर

जिला कलेक्टर आशीष सिंह के द्वारा रुचि लिए जाने के कारण नायता मुंडला में बनाया गया इंटर स्टेट बस टर्मिनल शुरू हो गया है। इस टर्मिनल से अब बसों की आवाजाही शुरू हो गई है। इसके पहले जब इस टर्मिनल को शुरू करने की कोशिश की गई थी तो बस संचालकों के द्वारा नेमावर रोड और उसमें भी खास तौर पर पालदा में सड़क की बदहाल स्थिति का हवाला देते हुए

बसों को चलाने से इनकार किया गया था। इंदौर विकास प्राधिकरण के द्वारा इस बस टर्मिनल का निर्माण तो अपनी समय सीमा में बहुत बेहतर तरीके से कर दिया गया है। इस टर्मिनल तक जाने के रास्ते की सड़क को सही करने का काम इंदौर नगर निगम का था। इस काम को करने में निगम नाकाम रहा है। अब स्थिति यह है कि इस बस टर्मिनल से बसों का आना-जाना तो बराबर चल रहा है लेकिन बस स्टैंड तक पहुंचने में नागरिकों के फजीते हो रहे हैं। नगर निगम अभी तक सड़क की स्थिति को वाहनों के आने जाने लायक भी नहीं बना सका है।

प्रकाशक एवं मुद्रक गौरव गुप्ता द्वारा स्वामी अशर्फीलाल विमलादेवी मीडिया सर्विसेस प्रा.लि. के लिए डी. बी. कॉर्प लि., 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ, इंडस्ट्रियल एरिया, सांवेर रोड इंदौर (म.प्र.) से मुद्रित एवं 401-402, डी.एम. टॉवर जंजीरवाला चौराहा, इंदौर 452001 से प्रकाशित। संपादक- दीपक गुप्ता, कार्यकारी संपादक-जितेंद्र जाखेटिया*। फोन नंबर-0731-4032200, आर.एन.आई. नं. MPHIN/2013/52898* समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार।